ShaneNabi.In
Best Sunni Islamic Website
And Youtube Channel

उम्मत का गम है क्या कोई पूछे हुज़ूर से

(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है: अख्तर रज़ा खान अज़हरी

Follow us on social:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in

उम्मत का गम है क्या कोई पूछे हुज़ूर से (x2)
आँसू छलक छलक पड़े चसमाने नूर से
इफ्तार कर रहे है मदीने मे मुस्तफा (x2)
पानी से या नामक से या अजवा खुज़ूर से (x2)

आँसू छलक छलक पड़े चषमाने नूर से

जिबरील कह रहे है फरिश्तों की बज़्म मे (x2)
प्यार मेरा बेलाल है जन्नत की हूर से
जिबरील कह रहे है फरिश्तों की बज़्म मे (x2)
कितना हसीन बेलाल है जन्नत की हूर से
इस वास्ते ज़कात को लाज़िम किया गया (x2)
मुफलिश के घर मे रोशनी पहुचे जरूर से (x2)

आँसू छलक छलक पड़े चषमाने नूर से

दुश्मन भी चेहरा देखे तो वो भी यही कहे (x2)
अख्तर चमक रहा है अंधेरे मे नूर से

© ShaneNabi.In